हरिभूमि
कांकेर भूमि
रायपुर, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025

तापमान

अधिकतम 32.0 डिग्री

न्यूनतम 22.0 डिग्री

11 गीदम में धूमधाम से हुई मां काली की प्रतिमा की स्थापना

12 बासनवाही में भव्य रूप से मनाया गया गौरा-गौरी जागर महोत्सव

खबर संक्षेप

गोर्वधन पूजा पर गाय एवं बैल को खिलाई खिचड़ी

भानुप्रतापपुर। विकासखंड भानुप्रतापपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत करमोती के आश्रित ग्राम झालोपारा में दीपावली पर्व एवं गोवर्धन पूजा का आयोजन पारंपरिक श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। 22 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा के अवसर पर परंपरा अनुसार मिट्टी के बर्तन में चावल, अरहर, उड़द दाल, कोचई कंद और कद्दू मिलाकर पौष्टिक खिचड़ी बनाई गई। यह खिचड़ी बांस के सूपे में रखकर गायों और बैलों को खिलाई गई। यह प्रथा ग्रामीण संस्कृति में पशु, प्रकृति और मानव के पारस्परिक संबंध का प्रतीक मानी जाती है।

राज्यस्तरीय रात्रिकालीन डीजे डांस प्रतियोगिता आज

कोरर। श्रीश्री बाल गणेश सिंघम समिति केवटीनटोला के तत्वावधान में दीपावली भाईदूज के अवसर पर राज्यस्तरीय रात्रिकालीन डीजे डांस प्रतियोगिता का आयोजन 23 अक्टूबर को होगा। । तीन श्रेणियों तथा चार स्तरों में सामूहिक नृत्य में प्रथम 11001 रुपए, द्वितीय 5555 रुपए, तृतीय 2525 रुपए, चतुर्थ 1515 रुपए, यूगल नृत्य में प्रथम 3501 रुपए, द्वितीय 2501 रुपए, तृतीय 1501 रुपए, चतुर्थ 1001 रुपए एवं एकल नृत्य में प्रथम 2525 रुपए, द्वितीय 1501 रुपए, तृतीय 1001 रुपए और चतुर्थ 751 रुपए के साथ-साथ शील्ड,मोमेंटो एवं आकर्षण पुरुष्कार छत्तीसगढ़ के ख्याति प्राप्त निर्णायक मंडल के निर्णय के आधार पर दिए जाएंगे।

छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए मिलेंगे 30 हजार

दुर्गूकोंदल। छत्तीसगढ़ की छात्राओं के लिए राज्य सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा की गई नई घोषणा के अनुसार अब राज्य के सरकारी स्कूलों से 10वीं और 12वीं उत्तीर्ण करने वाली छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए सालाना 30,000 रुपए शैक्षणिक सहायता राशि दी जाएगी। कंगलू कुम्हार शासकीय महाविद्यालय दुर्गूकोंदल के जनभागीदारी समिति अध्यक्ष विजय पटेल ने मुख्यमंत्री की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि यह निर्णय राज्य की बेटियों के भविष्य को उज्जवल बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा।

पेड़ से टकराई बोलेरो बाल बाल बचा चालक

कांकेर। बड़गांव में 22 अक्टूबर को बोलेरो क्रमांक सीजी 04 क्यूएफ 818 का चालक बोलेरो से नियंत्रण खो दिया। जिससे सड़क किनारे पेड़ से बोलेरो टकरा गई। बोलेरो का बैलून खुल जाने के चलते चालक बाल बाल बच गया। घटना में वाहन ही क्षतिग्रस्त हुआ है, जिसके कारण बड़गांव थाना में अपराध दर्ज नहीं कराया गया है।

इंदरु के त्याग, समर्पण व देशभक्ति को किया नमन

दुर्गूकोंदल। सुरुंगदोह में 22 अक्टूबर को स्वतंत्रता संग्राम सेनानी इंदरु केंवट की जयंती श्रद्धा व सम्मान के साथ मनाया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के नाती भागीरथी निषाद, संतुराम निषाद सहित ग्राम के नागरिक फत्तू जाड़े, सीताराम राणा, अरविंद नागेश, कमलेश राणा, देवनाथ जैन, गंगाराम राणा, धर्मेंद्र निषाद, टिकेश निषाद, यशु निषाद तथा अन्य ग्रामीणो ने इंदरु केंवट के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। ग्रामीणों ने उनके त्याग, समर्पण और देशभक्ति पर बात करते हुए नमन किया। ग्रामीणों ने कहा कि इंदरु केंवट न केवल ग्राम सुरुंगदोह, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव और प्रेरणा का प्रतीक हैं।

दिवाली के दिन बाजारों में रही भीड़, लोकल सामानों की बढ़ी मांग

शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में दीपावली का पर्व धूमधाम से मना, लोगों में दिखा उत्साह

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

जिले के लगभग हर कोने में दिवाली का पर्व बेहद उत्साह, उमंग और उल्लास के साथ सोमवार 20 अक्टूबर को मनाया गया। चारों ओर दीपों की जगमगाहट और रंग-बिरंगी सजावट ने माहौल को और भी आनंदमय बना दिया। लोगों ने अपने घर दुल्हन की तरह सजाकर माता लक्ष्मी के आगमन का स्वागत कर रहे थे। घरों के साथ ही व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में शुभ मुहूर्त पर लक्ष्मी पूजन किया गया। दीपावली पर जमकर खरीदारी हुई। वहीं दीपावली पर्व पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर के मुख्य मार्गो व बाजारों में पुलिस बल तैनात रहा।

दीपावली के दिन लोग सुबह से ही अपने घरों-दुकानों-कार्यालयों में साफ-सफाई करके फूलों, लाइटों आदि से सजाना शुरू कर दिया था। बाजारों में काफी चहल-पहल देखने को मिली और जमकर खरीददारी की गई तथा एक-दूसरे को मिठाई आदान-प्रदान भी किया। सनातन धर्मप्रेमियों का यह सबसे बड़ा पर्व माना जाता है। इस दिन माता लक्ष्मी की पूजा का विशेष महत्व है। जिले के सभी विकासखंडो में दीपावली धूम धाम से मनाई गई। युवतियां घर के आगे रंगोली सजायी, बच्चों ने घरौंदा बनाया। शाम को पूजा स्थल पर शुभ मुहूर्त में लक्ष्मी-गणेश जी की पूजा से पहले सिंदूर से श्रीगणेशाय नमः, स्वास्तिक, शुभ-लाभ जैसे मांगलिक मंत्र लिखे गए। दीप जलाकर लक्ष्मी को प्रिय कमल के फूल चढ़ाए गए। लक्ष्मी-गणेश के साथ ही कुबेर देवता भी पूजे गए। व्यापारियों ने दुकानों, शोरूमों और प्रतिष्ठानों में पूजा किया। फुलझड़ियां, पटाखे जलाकर खूब मस्ती की पूरे इलाके में सोमवार व मंगलवार को दिवाली का पर्व धूमधाम से मनाया गया। शाम को घरों में पूजा पूरी होने के बाद आतिशबाजी का दौर शुरू हो गया। बच्चों ने बड़ों के साथ मिलकर फटाखे फोड़े। फटाखे फोड़ने के साथ साथ गांवों पर देव गौरा-गौरी की पूजा करने के लिए बाजा बजाकर मूर्ति स्थापना व गीत गाकर गौरा-गौरी कर पर्व मनाया गया।

दीवाली के दिन भी बाजार में रही भीड़

दीवाली के दिन सोमवार को भी बाजारों में विशेष रूप से खरीदारों की भारी भीड़ देखने को मिली। व्यापारियों के साथ साथ छोटा व्यापार करने वाले लोग जैसे कुम्हार, कारीगर एवं घरों में दिवाली का सामान बनाने वाले लोगों ने भी बड़े पैमाने पर अपने सामान की बिक्री की। लोगों ने जमकर खरीदारी की, जिससे पूरे जिले में व्यापार में बड़ा इजाफा हुआ। इस साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के "वोकल फॉर लोकल" अभियान के तहत भारतीय सामान की खरीद में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई।

सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

दीपावली के अवसर पर रात को पुलिस का पूरे जिले में पुख्ता इंतजाम रहा। गश्ती टीम लगातार सभी चौक चौराहों पर गश्त करती रही, इसी के चलते कांकेर में शांतिढंग से दीपावली का अवसर लोगों ने मनाया। पुलिस की गश्त रातभर चलती रही।

घरेलू उत्पादों की ज्यादा मांग रही

सोमवार को लोगों ने मिट्टी के दीये, लक्ष्मी और गणेश की प्रतिमा, घर की सजावट के सामान, वंदनवार, फूल-पत्तियां एवं पूजा का सामान, बिजली की रंगबिरंगी लड़ियां, मिठाई एवं नमकीन, कपड़े, हैंडिक्राफ़्ट आइटम्स, उपहार की वस्तुएं, फुटवियर, मेकअप का सामान, कास्मेटिक्स, सोने चांदी के सामान और अन्य घरेलू उत्पादों की भारी मांग रही। इससे स्थानीय व्यापारियों और कारीगरों को काफी लाभ मिला। इस बार लोगों ने चीनी उत्पादों को नकारते हुए पूरी तरह से भारतीय सामान को प्राथमिकता दी है, इससे व्यापारी उत्साहित दिखे।

गुणवत्ताहीन धान बीज से किसानों को भारी नुकसान, करेंगे आंदोलन

हरिभूमि न्यूज ⏭ पखांजुर

परलकोट क्षेत्र के किसानों को गुणवत्ताहीन धान बीज किस्म एनआर 22313 के कारण हुए भारी नुकसान की शिकायत पर प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जिला स्तरीय जांच दल का गठन किया। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन द्वारा पीड़ित किसानों के लिए मुआवजे की मांग को लेकर किए गए आंदोलन के बाद यह जांच की गई। जिसमें धान की बालियां सूखने और दाना नहीं बनने की शिकायत प्रथमदृष्टया सही पाई गई है।

जिला उप संचालक कृषि के निर्देश पर गठित जांच दल, जिसका समन्वयक अनुविभागीय कृषि अ धि का री लक्ष्मीकांत नाग को बनाया गया था। जाँच टीम ने किसानों के खेतों का भ्रमण किया। कृषि महाविद्यालय, अनुसंधान केंद्र पखांजूर और कृषि विज्ञान केंद्र, कांकेर के प्राध्यापकों और विशेषज्ञों सहित वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी को टीम में शामिल किया गया है। जांच के दौरान किसानों की उपस्थिति में फसल कटाई परीक्षण किया गया। एनआर 22313 के प्लॉट में 1 बाई 1 मीटर के क्षेत्र में धान के दाने का वजन अत्यंत कम पाया गया। कृषक कनाई पाईन के खेत में 54 ग्राम, कृषक प्रशांतो साहा के खेत में 17 ग्राम और कृषक अरविंद मंडल के खेत में 62 ग्राम मिला। जांच दल ने पाया कि इसी खेत के आसपास के खेतों में अन्य कंपनी के धान बीजों की बालियों में चांवल भरा हुआ है, जबकि शिकायत वाले एन आर 22313 किस्म के धान में चांवल नहीं भरा या दाना बदरा बन गया है। मौके पर उपस्थित किसानों और संगठन के प्रतिनिधियों के सामने पंचनामा तैयार किया गया। इस पूरी प्रक्रिया में बीज उत्पादक कंपनी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

- मुआवजे की मांग को लेकर किसानों ने किया था आंदोलन

जांच दल ने प्रथम दृष्टया यह पाया कि धान की किस्म एनआर-22313 में आई यह समस्या गुणवत्ताहीन बीज का संकेत देती है। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष अजित मिस्त्री और केंद्र कमेटी सदस्य सदाशिव ने इस नुकसान को किसानों के लिए पूरी तरह बरबादी बताया है।

किसानों को सता रही कर्जे की चिंता

पीड़ित किसानों की सबसे बड़ी चिंता बैंक के कर्ज, महाजन के ऋण और समितियों के ब्याज को लेकर है। वे अपनी परिवारिक जरूरतों को पूरा करने और उधारी चुकाने को लेकर चिंतित हैं। हालांकि, किसानों ने प्रशासन की तत्परता से की गई जांच पर विश्वास जताया है और उन्हें उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही उचित मुआवजा मिलेगा। अब सबकी निगाहें प्रशासन की गंभीरता और मुआवजे के भुगतान पर टिकी हैं।

बनसागर के ग्रामीणों ने दीपावली और गोवर्धन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

बनसागर। विकासखंड नरहरपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत बनसागर में इस वर्ष दीपावली और गोवर्धन पर्व का आयोजन परंपरा, भक्ति और सामाजिक एकता के साथ धूमधाम से मनाया गया। बनसागर 22 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा और अन्नकूट उत्सव का आयोजन किया गया। सुबह से ही ग्रामीणों ने अपने गाय-बैल और अन्य पशुओं को नहलाकर सजाया, उनके सींगों पर रंग-रोगन किया और फूलों की मालाएं पहनाकर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर ग्राम के किसानों और पशुपालकों ने मिट्टी के गोवर्धन पर्वत का प्रतीक बनाकर पूजा की, और प्रकृति एवं पशुधन के प्रति आभार व्यक्त किया। परंपरानुसार मिट्टी के हांडी में चावल, अरहर, उड़द, कद्दू और कोचई कंद से बनी खिचड़ी तैयार की गई, जिसे बांस के सुपे में रखकर गाय, बैलों और बकरियों को खिलाया गया। पूजा के बाद गांव में सामूहिक भोज और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महिलाओं ने सुआ गीत गाए, बच्चों ने दीपावली और गोवर्धन पर्व पर आधारित लोकनृत्य प्रस्तुत किए, वहीं बुजुर्गों ने पारंपरिक गीतों से समूचे वातावरण को उत्सवमय बना दिया। पूरे आयोजन में ग्रामवासियों की एकता, आस्था और सांस्कृतिक पहचान की झलक स्पष्ट रूप से देखने को मिली। दीपावली और गोवर्धन तिहार का यह संयुक्त उत्सव बनसागर गांव के लिए आनंद, परंपरा और आध्यात्मिकता का प्रतीक बन गया।

कोड़ेकुर्से में 2 बाइक में टक्कर, दो सवार की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल

विकासखंड दुर्गूकोंदल अंतर्गत कोड़ेकुर्से थाना क्षेत्र में बीती रात एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। जिसमें दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में दोनों मोटर सायकल चालक की मौत हो गई। वहीं बाइक में पीछे एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज जारी है।

- एक गंभीर पुलिस ने शुरू की जांच
- कराकी और कोन्डरूज के बीच भीषण सड़क हादसा

जानकारी के अनुसार 21 अक्टूबर की रात लगभग 8 बजे के आसपास ग्राम गुरदाटोला के भुरके पुलिया के आगे मुख्य मार्ग पर हीरो मोटर सायकल क्रमांक सीज19 बीएच 4727 को कराकी निवासी आशीष शोरी पिता श्याम सिंह चला रहे थे। बुलेट मोटर सायकल क्रमांक सीजी सीजी 07 डीए के चालक कोंडरूज निवासी 45 वर्षीय मंगल सिंह पिता दियार और पीछे बैठे कोंडरूज निवासी 28 वर्षीय कंवल सिंह जैन पिता मंगल सिंह थे। बुलेट और हीरो मोटर सायकल के मध्य भिड़ंत हो गई। जिसमें दोनों वाहन के परखच्चे उड़े गए और दोनो वाहनों के चालकों की मौत हो गई। वाहन के पीछे बैठे व्यक्ति कंवल सिंह जैन को गंभीर चोट आई। खबर मिलते ही मौके पर पुलिस पहुँच गई। घायलों एवं अन्य दोनो को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुँचाया गया। चिकित्सकों ने जाँच में दो की मौत की पुष्टि किया और एक अन्य गंभीर का इलाज शुरू किया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया। रात होने के कारण पीएम नहीं किया गया। पुलिस ने 22 अक्टूबर की सुबह पीएम करवाकर शव को परिजनों को सौंपा। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क पर रोशनी की कमी और तेज रफ्तार इस हादसे के प्रमुख कारण हो सकते हैं।

पुलिस ने मर्ग कायम किया, जांच जारी

थाना प्रभारी निरीक्षक योगेश कुमार सोनी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुँचा गया था और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। दोनों मृतकों का पोस्टमॉर्टम बुधवार को करवाया गया और शव को परिजनों को सौंपा गया। घटनास्थल थाना कोड़ेकुर्से क्षेत्र में आने के कारण मर्ग कायम कर पंचनामा और विवेचना की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

रतनपुर में मां काली की पूजा की रही धूम, उमड़ा गांव

हरिभूमि न्यूज ⏭ पखांजुर

पीवी 118 रतनपुर में मां काली की पूजा उत्साह और धूमधाम से की गई। गांव के लोगों ने मिलकर इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

काली पूजा के अवसर पर पूरे गांव में भक्तिमय और उत्साह का माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने मिलकर पूजा स्थल को आकर्षक ढंग से सजाया था। रंग-बिरंगी रोशनी और फूलों की सजावट से मंदिर की भव्यता देखते ही बन रही थी। पूरे विधि-विधान के साथ मां काली की पूजा-अर्चना की गई। पुरोहित गोपाल चक्रवर्ती एवं मांडवी महादेव दास, विधान विश्वास के द्वारा विशेष मंत्रोच्चार के साथ अनुष्ठान संपन्न कराया। ग्रामीणों ने मां काली से सुख-समृद्धि और शांति के लिए प्रार्थना की। पूजा के बाद रात में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें गांव के नन्हे, नन्हे कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। देर रात तक भक्ति गीत और भजन-कीर्तन का दौर चला। इस दौरान दूर-दूर से

आए भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

इन्होंने ने किया सहयोग

आयोजन को सफल बनाने में पूजा समिति के अध्यक्ष अमित सरकार, उपाध्यक्ष स्वपन सरकार, हरि सिंह नेताम, अनूप कीर्तनिया, मृणाल दास, प्रश्नजीत मंडल, दीपू मंडल ग्राम पीव्ही118 के सभी निवासियों ने एकजुट होकर सहयोग किया। गांव के युवाओं ने व्यवस्था संभालने में सक्रिय भूमिका निभाई, जिससे पूजा शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

मंदिर को लेकर एक परिवार के दो भाइयों में हुआ विवाद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

अन्नपूर्णापारा में मंदिर के दरवाजे को बंद करने की बात को लेकर दो भाइयों एवं बच्चो में विवाद हो गया। विवाद मारपीट में तब्दील हो गई। दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने काउंटर केस दर्ज करते हुए जांच में लिया गया।

कांकेर थाना में शिकायत करने पहुँचे अन्नपूर्णापारा निवासी 51 वर्षीय रमेश पटेल पिता स्व. रामचरण पटेल ने पुलिस को बताया कि वह सब्जी बेचने का काम करता है। मेरे घर आंगन में भगवान शिव और भगवान हनुमान जी का मंदिर है, जिसकी रोजाना पूजा अर्चना परिवार के लोगों के द्वारा की जाती है ।19 अक्टूबर की रात को करीबन साढ़े 9 बजे साप्ताहिक बाजार से सब्जी भाजी बेचकर वापिस आया, देखा कि मंदिर के दरवाजा खुला हुआ था। हाथ पैर धोकर मंदिर में गया और पूजा अर्चना किया। काफी रात हो गई है करके मंदिर के दरवाजा को मेरी पत्नी बंद करके घर आ गई। रात्रि करीबन साढ़े 11 बजे घर के बाहर निकला तो देखा मंदिर का दरवाजा खुला था। तब मंदिर में जाकर मंदिर के दरवाजा को बंद कर दिया। भतीजा ने फिर दरवाजा खोल दिया। मैंने अपने भतीजा को बोला कि इतना रात हो गई है। तुम बार बार मंदिर के दरवाजा को खोलकर छोड़, देते हो क्या तमाशा बना रहे हो, ऐसा बोलने पर भतीजा मुझे मारने के लिये लोहे के गड़ासा को लेकर आया। तुझे जान से मार डालूंगा बोलकर गड़ासा से मारने के

- शिकायत पर काउंटर केस दर्ज

लिए आया। मेरा लड़का शेखर पटेल और पत्नी शकुन्तला बीच बचाव करने आएं। तभी भतीजे ने गरम तेल को मेरे लड़का शेखर पटेल के ऊपर उढ़ेल दिया। जिससे मेरे लड़के के दोनों हाथ, पैर,सीना जल गया। मेरी पत्नि शकुन्तला को हाथ में गरम तेल का कुछ छींटा पड़ा है । मेरे लड़का शेखर पटेल को ज्यादा चोट होने से इलाज हेतु केडी अस्पताल मे भर्ती कराए है। शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 115 (2), 296, 351 (2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज करते हुए विवेचना में लिया गया।

दूसरे पक्ष से थाना में शिकायत करने पहुँची अन्नपूर्णापारा निवासी 28 वर्षीय ज्योति पटेल पति शिव किशन पटेल ने पुलिस को बताया कि। 19 अक्टूबर को रात्रि करीबन साढ़े 8 बजे मेरा बच्चा मंदिर जाने की जिद्द करने लगा, तो अपने मंदिर का दरवाजा खोल दी। मेरे पति घर की परछी में मिठाई बना रहे थे। उसी बीच करीबन रात को 11 बजे रमेश पटेल मंदिर को खुला देख कर मेरे पति के पास आया और मंदिर को हमेशा खुला कर देते हो कहकर पीछे से किसी चीज से सिर में मारा। वाद विवाद लड़ाई झगड़ा करने लगा। उसके बाद उसका बेटा शेखर पटेल, दिलीप पटेल, चाची सास सकुन पटेल भी आए और मुझे एवं मेरे पति को गाली देते हुए जान से मार देंगे कहते हुए मारपीट करने लगे। मारपीट से चोटें आईं हैं।

अमावस्या के कारण दीपावली के तीसरे दिन मना त्यौहार

गोवर्धन पर्व पर गाय को खिलाई खिचड़ी, ग्रामीण क्षेत्रों में रही धूम

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

कार्तिक मास की शुक्ल प्रतिपदा तिथि को मनाया जाने वाला गोवर्धन पर्व इस वर्ष भी पूरे श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस बार दीपावली के दूसरे दिन आने वाला यह पर्व भगवान श्रीकृष्ण की उस लीला की याद दिलाता है जब उन्होंने अपनी कनिष्ठ उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर गोकुलवासियों को इंद्र के प्रकोप से बचाया था। इसी स्मृति में आज पूरे क्षेत्र में मंदिरों, गौशालाओं और घर-घर में गोवर्धन पूजा का आयोजन हुआ, वहीं श्रद्धालुओं ने गायों को खिचड़ी खिलाकर पुण्य अर्जित किया।

भोर होते ही शहर एवं गांवों में लोगों ने अपने घरों और गौशालाओं की साफ-सफाई शुरू कर दी। जगह-जगह गोबर से गोवर्धन पर्वत का प्रतीक बनाकर उसकी पूजा की गई। महिलाएं अपने घरों के आंगन में सुंदर रंगोली और फूलों से सजी थाली लेकर पूजा स्थलों पर पहुंचीं। वहीं पुरुषों ने गोधन (गाय-बैल) को नहलाकर, उनके सींगों पर रंग लगाया, गले में माला डाली और पूजा के बाद उन्हें गुड़, चना और खिचड़ी का भोग लगाया। इस दौरान बच्चों में भी खास उत्साह देखा गया। कई जगह बच्चों ने गायों को सजा-संवारकर उन्हें अपने हाथों से खिचड़ी खिलाई। परंपरा के अनुसार, यह माना जाता है कि इस दिन गायों को खिचड़ी खिलाने से जीवन में सुख, समृद्धि और शांति का वास होता है। गोवर्धन पूजा गोवंश के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का पर्व है।

मातर त्यौहार में राऊत नाचा की धूम : दीपावली पर्व आने के साथ ही सालभर गाय बैलों को चराने वाले यादव समाज का राऊच नाचा भी शुरू हो जाता है। इसके साथ ही कई गांवों में मातर का पर्व भी मनाया जाता है, जहां पर राऊत अपने पूरी वेशभूषा के साथ पहुंचकर गाजे बाजे पर दोहा गाते हुए नाचते हैं। प्रतियोगिता में हिस्सा लेते है, इस दौरान विजयी टीम को पुरस्कृत किया जाता है। गांव- गांव में प्रत्येक घरों में नृत्य करने वाले राऊत घरों से सालभर गाय बैल को चराने का धान व पैसे के रूप में अपना मजदूरी लेते है।

गोवर्धन पूजा के धार्मिक महत्व पर चर्चा

धार्मिक दृष्टि से गोवर्धन पूजा का विशेष महत्व है। शास्त्रों के अनुसार, जब इंद्रदेव ने घमंडवश गोकुल में सात दिन तक वर्षा कराई थी, तब भगवान श्रीकृष्ण ने लोगों और पशुओं की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी कनिष्ठा उंगली पर उठाकर शरण दी थी। इस घटना के बाद ब्रजवासी हर वर्ष इंद्र पूजा छोड़कर गोवर्धन पूजा करने लगे। आज भी वही परंपरा निभाई जाती है कि इंद्र नहीं, बल्कि प्रकृति, अन्न और गोवर्धन की पूजा की जाती है। क्योंकि भगवान श्रीकृष्ण ने संदेश दिया था कि हमें प्राकृतिक संसाधनों और जीवों की सेवा करनी चाहिए, न कि अहंकार में देवताओं की पूजा। इसीलिए गोवर्धन पूजा को प्रकृति पूजन और गौ-सेवा का प्रतीक पर्व माना जाता है।

खबर संक्षेप

10 दिसंबर को कोंडागांव जिले में स्थानीय अवकाश घोषित

कोण्डागांव। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना द्वारा पूर्व में घोषित स्थानीय अवकाश में आंशिक संशोधन करते हुए शहीद वीर नारायण सिंह बलिदान दिवस 10 दिसंबर दिन बुधवार को स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है।

राजपुर में मातर महोत्सव आज

मगरलोड। ग्राम राजपुर में यादव समाज एवं ग्रामवासियों के सहयोग से 23 अक्टूबर गुरूवार को मातर महोत्सव का आयोजन रखा गया है। जिसमें विक्रम बेताल अखाड़ा दल सोनपैरी का प्रदर्शन होगा। रात्रिकालीन कार्यक्रम में शंभू गौरा सांस्कृतिक लोककला मंच सोनेवारा की प्रस्तुति होगी। यह जानकारी गिरवर यदु, सोमनाथ यादव, टिकेश यादव, हेराम यादव व कमल यादव ने दी है।

कण्डेल में मातर महोत्सव एवं राउत नाचा प्रतियोगिता आज

पुरी। ऐतिहासिक गौरव ग्राम कण्डेल में मातर महोत्सव एवं राउत नाचा प्रतियोगिता का आयोजन 23 अक्टूबर को किया गया है। मनोरंजन के लिए रात्रिकालीन कार्यक्रम ममता चन्द्राकर के गीत संगीत से सजी पारम्परिक लोकगीतों की प्रस्तुति लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम चिन्हारी का आयोजन सम्राट मातर उत्सव इंदिरा आवासपारा एवं समस्त ग्रामवासी कण्डेल द्वारा किया गया है।

मां अंगारमोती दाई की ऐतिहासिक मड़ई कल

धमतरी । गंगरेल स्थित मां अंगारमोती दाई की ऐतिहासिक मड़ई शुक्रवार को होगी। इसी के साथ अंचल की संस्कृति और परंपराओं का आगाज हो जाएगा। आदिशक्ति मां अंगारमोती ट्रस्ट के अध्यक्ष जीवराखन मरई ने बताया कि परंपरानुसार दीपावली के बाद प्रथम शुक्रवार को मां अंगारमोती मड़ई का आयोजन किया जाता है। मंड़ई मेला को लेकर ट्रस्ट ने सारी तैयारी कर ली है। 52 गांव के देवी देवताओं एवं सिरहा बैगा को आमंत्रण दिया जा चुका है। माता के दरबार में इस दिन अंचल सहित दूर-दूर के देवी देवता शिरकत करेंगे। कांकेर, केशकाल आदि क्षेत्र के आंगा देवता के अलावा अंचल के डांग डोली, देव विग्रह, काली कंकाली, कांटा बैगा, डोकरा बैगा सहित अनेक देवी देवता एकत्रित होंगे, जिसका दर्शन करने प्रदेश भर के लोगों का आगमन होगा। मां अंगारमोती सर्वमनोकामना पूर्ण करने वाली वन देवी है जिसकी ख्याति देश प्रदेश में फैली हुई है। उन्होंने लोगों को अंगारमोती मड़ई में उपस्थिति की अपील की है।

निःसंतान महिलाएं संतान सुख के लिए पड़ेंगे परण

मां अंगारमोती के पुजारी ईश्वर नेताम ने बताया कि मां अंगारमोती श्रद्धा के साथ मांगी गई सभी मुरादों को पूरी करती हैं। यहां मड़ई के दिन परण पड़ने की परंपरा आदिकाल से चली आ रही है जिसमें निःसंतान दंपतियों को संतान सुख की प्राप्ति प्रमुख है। उन्होंने बताया कि मड़ई के दिन सैकड़ों महिलाएं देवी के दरबार में पेट के बल लेटकर, संतान प्राप्ति की अर्जी लगाते हैं।

पर्व: शुभ मुहूर्त में लोगों ने की धन की देवी की पूजा

धूमधाम से मनायी दीपावली, घर-घर जगमगाए दीप, जमकर आतिशबाजी

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरसगांव

- लोगों ने की जमकर खरीदारी, और मनाया जश्न

क्षेत्र में दीपावली का पर्व इस साल धूमधाम और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। घर-घर दीप जलाए गए, मां लक्ष्मी-गणेश की पूजा हुई और युवाओं ने शानदार आतिशबाजी कर त्योहार की रौनक बढ़ाई।

खुशियों, रौशनी और उत्साह से भरा दीपों का पर्व दीपावली इस साल क्षेत्र में बड़ी धूमधाम और पारंपरिक श्रद्धा के साथ मनाया गया। सोमवार की शाम नगर से लेकर गांव तक दीपों की रोशनी और रंगीन झालरों से सजा माहौल लोगों के चेहरे पर मुस्कान बिखेरता नजर आया। हर गली, हर मोहल्ला और हर घर में दीपों की झिलमिल रोशनी से वातावरण आलोकित हो उठा। सुबह से ही बाजारों में लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली। मिठाइयों, उपहारों, दीयों और सजावट के सामान की दुकानों पर खरीदारों का तांता लगा रहा। हर कोई अपने घर को खूबसूरती से सजाने में जुटा रहा। बच्चों में पटाखे चलाने का उत्साह था, तो महिलाएं घर की सफाई, सजावट और पूजा की तैयारियों में व्यस्त रहीं।

मां लक्ष्मी और श्री गणेश की पूजा के साथ शुरू हुई शाम की रौनक

संध्या होते ही घर-घर में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की गई। लोगों ने पूरे विधि-विधान से दीप जलाकर, फूलों और धूप से मां लक्ष्मी का स्वागत किया। पूजा के बाद परिवार के सदस्यों ने एक साथ दीपक जलाए। घर के आंगन, छतों और दरवाजों को दीपों से सजाया। इस दौरान मंदिरों में भी विशेष आरती और भजन संध्या का आयोजन हुआ।

लाइट और फुलझड़ियों से चमका शहर

नगर को इस बार दीपावली पर दुल्हन की तरह सजकर सबका मन मोह लिया। दुकानों, मकानों और गलियों में रंगीन लाइटों की झालरें टिमटिमा रही थीं। आसमान में चमकती फुलझड़ियों और रंगीन पटाखों ने त्योहार की रौनक को कई गुना बढ़ा दिया। बच्चों और युवाओं ने देर रात तक आतिशबाजी का आनंद लिया।

मिठाइयों और उपहारों की हुई बहुत खरीदारी

दीपावली से पहले ही बाजारों में रौनक अपने चरम पर थी। लड्डू, बर्फी, रसगुल्ले और चॉकलेट जैसी मिठाइयों की मांग इतनी अधिक थी कि कई दुकानों पर मिठाई खत्म हो गई। लोग एक-दूसरे को मिठाई और उपहार देकर शुभकामनाएं दे रहे थे। दुकानदारों ने बताया कि इस बार पिछले सालों की तुलना में बिक्री में काफी इजाफा हुआ है।

सामाजिक सौहार्द और खुशी का माहौल

त्योहार के मौके पर पूरे क्षेत्र में खुशी और सौहार्द का माहौल रहा। लोग एक-दूसरे के घर जाकर दीपावली की शुभकामनाएं दे रहे थे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक हर किसी के चेहरे पर खुशी झलक रही थी। बिजली की रोशनी, मोमबत्तियों और पारंपरिक दीयों से सजा फरसगांव मानो किसी नयी दुल्हन की तरह जगमगा रहा था।

प्रशासन की तैयारी और सुरक्षा व्यवस्था

दीपावली के दौरान फरसगांव पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए थे। मुख्य बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस बल तैनात रहा। आतिशबाजी के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना न हो, इसके लिए सतर्कता बरती गई। नगर परिषद द्वारा सफाई व्यवस्था और कचरा उठाने की व्यवस्था भी पहले से कर ली गई थी।

पर्यावरण के प्रति जागरुकता भी नजर आई

इस दीपावली पर कई सामाजिक संस्थाओं और स्कूलों ने लोगों से पर्यावरण को सुरक्षित रखने की अपील की। कुछ युवाओं ने ग्रीन दिवाली/" मनाने का संदेश देते हुए कम आतिशबाजी की और मिट्टी के दीयों से ही घरों को सजाया। इससे शहर में एक सकारात्मक संदेश गया कि खुशियां मनाने के साथ प्रकृति की रक्षा भी जरूरी है।

रातभर गूंजते रहे त्योहार के गीत

दीपावली की रात संगीत और उत्सव की धुन गूंजती रही। कई मोहल्लों में युवाओं ने डीजे और पारंपरिक गीतों पर नृत्य किया। आतिशबाजी के बीच बच्चों की हंसी और लोगों की शुभकामनाओं से वातावरण और भी मधुर हो गया।

दीपों का यह त्यौहार सचमुच हर दिल को रौशन कर गया। रोशनी, मिठास और मिलजुलकर खुशियां बांटने की यह परंपरा हर साल इसी तरह उमंग और उल्लास के साथ बनी रहे, यही कामना लोगों ने की।

188वीं सीआरपीएफ बटालियन ने मनाया पुलिस स्मृति दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल सीआरपीएफ की 188 वीं बटालियन द्वारा आज राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर स्थित शहीद स्मारक में पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन किया गया।

- शहीद जवानों को दी गई श्रद्धांजलि
- राष्ट्रीय राजमार्ग 30 स्थित शहीद स्मारक में हुआ आयोजन

कार्यक्रम की शुरुआत में कमांडेंट भवेष चौधरी ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी। गार्ड द्वारा शहीदों को सलामी दी गई। तथा उपस्थित सभी अधिकारियों एवं जवानों ने दो मिनट का मौन रखकर अपने वीर साथियों को याद किया। कमांडेंट भवेष चौधरी ने कहा, आज का दिन देश की सुरक्षा में शहीद हुए सभी पुलिस एवं अर्धसैनिक बलों के जवानों के बलिदान को नमन करने का दिन है।

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का इतिहास वीरता और कर्तव्यनिष्ठा की गाथाओं से भरा हुआ है। उन्होंने बताया कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख के हॉट्प्रिरंग क्षेत्र में चीन के सैनिकों के हमले में सीआरपीएफ की एक छोटी टुकड़ी ने 18 हजार फीट की ऊंचाई पर असाधारण साहस और बलिदान का परिचय दिया था। उस संघर्ष में 10 जवान शहीद हुए, जिनकी स्मृति में हर वर्ष 21 अक्टूबर को "पुलिस स्मृति दिवस" मनाया जाता है। कार्यक्रम के दौरान शहीद जवानों के परिवारों की कुशलता की कामना की गई। कमांडेंट चौधरी ने सभी जवानों से कहा कि हमारे शहीदों का बलिदान हमें सदैव देश सेवा, अनुशासन और समर्पण की भावना के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी नीतीन्द्रनाथ, उप कमांडेंट कमल सिंह मीणा, सहायक कमांडेंट ओमप्रकाश विष्नोई, प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी, तथा बटालियन के अधीनस्थ अधिकारी और जवान उपस्थित रहे।

पाटला में शहीद रामप्रसाद को किया याद, दी श्रद्धांजलि

फरसगांव। ब्लॉक के ग्राम पाटला में 21 अक्टूबर बुधवार को शहीद दिवस के अवसर पर गाँव के वीर पुत्र शहीद रामप्रसाद नेताम को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में समस्त ग्रामवासी एवं आसपास के क्षेत्रों से आए क्रिकेट खिलाड़ियों ने भाग लिया और शहीद के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। शहीद के भाई शिव प्रसाद नेताम ने बताया कि रामप्रसाद नेताम कुछ वर्ष पूर्व मर्दापाल क्षेत्र में हुई नक्सली मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए थे। ग्रामवासी हर वर्ष 21 अक्टूबर को शहीद दिवस के रूप में उनका स्मरण करते हैं। इस वर्ष भी शहीद के परिवारजनों सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे और उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा और ग्रामीणों ने शहीद के त्याग व बलिदान को प्रेरणास्रोत बताया।

सीटर बालक छात्रावास में चोरी की वारदात

नगरी । नगरी नगर के राईसपारा वार्ड क्रमांक 8 स्थित 250 सीटर बालक छात्रावास संचालित हो रहा है जिसमें लक्ष्मी पूजा की रात चोरों ने वारदात को अंजाम देते हुए दो कर्मचारियों के घरों से कई कीमती सामानों की चोरी कर ली। कर्मचारी से प्राप्त जानकारी के अनुसार, छात्रावास परिसर में निवासरत दो कर्मचारी रुदेशवर धुर्वा, श्रवण यादव लोग दीपावली पर्व मनाने अपने घर चले गए थे। इसी दौरान अज्ञात चोरों ने दोनों घरों का ताला तोड़कर टीवी, कंप्यूटर, मोबाइल, कपड़े, तेल, साबुन, जूते सहित अन्य घरेलू सामानों पर हाथ साफ कर दिया। वहीं अगले दिन जब कर्मचारी लौटे तो घर का ताला टूटा हुआ मिला और चोरी की घटना का पता चला। घटना की सूचना तत्काल थाना नगरी पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

काशीपुरी में मातर आज

पुरी। कोसरिया यादव समाज एवं समस्त ग्रामवासी के सहयोग से ग्राम काशीपुरी में आज मातर महोत्सव का आयोजन रखा गया है। रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए ग्राम जीका डोंगरगढ़ राजनांदगांव का कार्यक्रम रखा गया है। आयोजन समिति के समस्त सदस्य इस महोत्सव के तैयारी में जुटे हुए हैं। अध्यक्ष त्रिभुवन यादव, सचिव रेखराम यादव, सदस्य में कमलेश यादव, डंडेश्वर यादव, प्रताप यादव, रामप्रसाद यादव, सेवाराम खेदुराम ने लोगों से मातर उत्सव में शामिल होने की अपील की है।

कोकोडी गांव की टीम में मारी बाजी, जीता खिताब

फरसगांव। विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम पंचायत मांझी आठगाव के मांझापारा में दीपावली के अवसर पर आठ दिवसीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसका समापन 21 अक्टूबर को किया गया । फाइनल मुकाबला पाटला और कोकोड़ी के मध्य खेला गया। भंगाराम युवा संगठन के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता में कुल 54 टीम ने भाग लिया ।

पाटला और कोकोड़ी की टीम ने फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मैच में कोकोड़ी की टीम ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला लिया और पाटला की टीम को पहले बल्लेबाजी करने का न्योता दिया। 8-8ओवरों का मैच खेला गया। वही पाटला की टीम निर्धारित 8 ओवरों मे 55 रन बनाने में कामयाब रही पावरप्ले में लगातार विकेटों का पतन होता रहा जिसमें क्रिकेट प्रेमियों को मैदान के चारों ओर चौकों छक्कों की बरसात देखने को मिली। जिसमें कोकोड़ी की टीम ने 7 ओवर 1 बॉल में अपना 57 रन बना सकी और कोकोड़ी की टीम जीत से शानदार आगाज किया। प्रथम इनाम 22,222 रुपए व ट्रॉफी अपने नाम किए। वही दूसरा ईनाम 11,111 रुपए व ट्रॉफी पाटला को प्रदान किया गया। इस दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि , भंगाराम युवा संगठन के युवा-युवती सहित बड़े संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

नक्सल विरोध सप्ताह का आज आखरी दिन, नक्सलियों की केन्द्रीय समिति ने जारी किया प्रेसनोट

जगदलपुर। नक्सलियों की केन्द्रीय कमेटी प्रवक्ता अभय ने प्रेसनोट जारी कर विरोध सप्ताह व भारत बंद का आयोजन किया है। विरोध सप्ताह का 23 तारीख को आखरी दिन है जबकि 24 अक्टूबर को बीजापुर के नेशनल पार्क, नारायणपुर के माड़ व करेंगुट्टा मुठभेड़ के विरोध में भारत बंद का आव्हान किया गया है।

नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी प्रवक्ता अभय ने जारी प्रेस विज्ञप्ति मे 18 अक्टूबर से 23 अक्टूबर तक विरोध सप्ताह और 24 अक्टूबर को देशव्यापी बंद का आह्वान किया है। बंद का आव्हान नारायणपुर जिले के माड़ क्षेत्र, बीजापुर के नेशनल पार्क एरिया, सुकमा जिले के करेंगट्टा, झारखण्ड के पश्चिम सिंहभूमी व ओडिशा राज्य में आगामी 5 महीनों में चलाये जा रहे अभियान को रोकने की मांग को लेकर देश व्यापी आंदोलन व मुठभेड़ के विरोध में किया है। लगातार आत्मसमर्पण के बीच

नक्सल सगंठन ने एक बार फिर प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई है। वहीं प्रेसनोट के बाद सुरक्षा एजेंसिया अपनी नजर बनाये हुए है।

बीते 22 माह में 7 सौ मौत

जारी प्रेसनोट में बताया कि बीते 22 महीनों में देश भर में संगठन के लगभग 7 सौ साथियों की हत्या करने का आरोप लगाया है। पत्र में बताया कि बचे हुए केंद्रीय कमेटी सदस्यों, विभिन्न राज्यों की राज्य कमेटी सदस्यों को। पार्टी सदस्यों. पीएलजीए सदस्यों को 31 मार्च, 2026 तक खत्म करने की चेतावनी व धमकी देश की प्रधानमंत्री व गृहमंत्री के अलावा भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री, गृहमंत्री व उच्च पुलिस अधिकारियों द्वारा दिया जा रहा है। इसके अलावा भारत मंथन के नाम पर दिल्ली व दूसरे शहरों में विचारगोष्ठियां चलाकर अर्बन नक्सल को खत्म करने का धमकियां भी दे रहे हैं। इसका मतलब, आरएसएस भाजपा द्वारा, उनके नेतृत्व में चल रही केंद्र, राज्य सरकारों द्वारा चलाये जा रही कापोरेंटीकरण को, सैन्यकरण को, हिन्दुत्व को विरोध करने वाले तमाम लोगों पर अर्बन नक्सल का छाप लगाकर कलंकित कर जन पक्षधर बुद्धिजीवियों को खत्म करने की भयानक फासीवादी रणनीतिक योजना को लागू करना होता है।

कोंडागांव में रोशनी की बहार : दीपों व खुशियों से जगमगाता रहा शहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

पूरा शहर दीपावली की रौशनी से सोमवार व मंगलवार को जगमगा उठा। हर घर, हर आंगन और हर गली में दीपों की लौ ने खुशियों की किरणें बिखेर दीं। रविवार की शाम कोंडागांव ने सच्चे अर्थों में प्रकाश पर्व का उल्लास देखा, जहाँ श्रद्धा, सजावट और सौहार्द्र का मनमोहक संगम देखने को मिला। शहर के मुख्य मार्गों से लेकर कॉलोनियों और गाँवों तक दीपावली की सजावट ने मन मोह लिया। मकानों की बालकनियाँ, दीवारें और छतें सफेद–पीली रोशनी की झालरों से ढकी हुई थीं।

जगमगाती रोशनी में हर घर किसी मंदिर जैसा दिख रहा था जहाँ आस्था और सौंदर्य का संगम था।

दीपों ने दिया एकता और उमंग का संदेश –

लोगों ने अपने घरों के द्वार पर मिट्टी के दीप जलाए, सुगंधित फूलों और रंगोली से आँगन सजाए। हर उम्र के लोगों ने इस उत्सव में भाग लिया बच्चों ने पटाखे जलाए, युवाओं ने घर सजाए, और महिलाओं ने पारंपरिक मिठाइयों की खुशबू से वातावरण महका दिया।लोगों ने अपने घरों की जगमगाहट भरी तस्वीरें और वीडियो क्लिप्स सोशल मीडिया पर साझा किए। फेसबुक, व्हाट्सएप और इंस्टाग्राम पर ट्रेंड करता रहा। कई इलाकों में स्थानीय युवाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों, दीपदान और भजन संध्याओं का भी आयोजन किया।

यह दिवाली विशेष रही

विकासनगर, मिशन रोड, डोंगरीपारा, गांधी चौक से लेकर ब्लॉक कॉलोनियों तक हर ओर सजे घरों ने लोगों के मन में उल्लास भर दिया। स्थानीय निवासी श्रीमती शारदा तिवारी ने कहा इस बार दिवाली में सिर्फ घर नहीं, दिल भी रौशन हुए हैं। वहीं युवाओं ने कहा कि "कोंडागांव की यह जगमगाहट हमारी एकता और उमंग का प्रतीक है। कोंडागांव की दिवाली सिर्फ रोशनी का नहीं, बल्कि साझी संस्कृतिक और पारिवारिक सौहार्द्र का पर्व रहा। हर चेहरे पर मुस्कान और हर घर में खुशियों की चमक थी। वास्तव में, यह दिवाली कोंडागांव के दिलों में रोशनी बनकर बस गई।

छोटी दिवाली की रात मानवता और सेवा की मिसाल बनी कोंडागांव की घटना

सड़क पर प्रसव पीड़ा से तड़पती गाय की लोगों ने बचाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

- मोहल्लेवासियों व पशु चिकित्सकों ने कराया सफल प्रसव
- गाय को तड़पता देख महिला ने दी सूचना डॉक्टरों ने छोड़ दी अपनी पूजा

जहां एक ओर लोग छोटी दिवाली का त्योहार मना रहे थे, वहीं शहर के विकासनगर क्षेत्र में मानवता की मिसाल पेश की गई। प्रसव पीड़ा से तड़पती एक गाय को देखकर श्रीमती शारदा तिवारी ने तुरंत पशु चिकित्सा विभाग से संपर्क किया। कुछ ही मिनटों में पशु चिकित्सकों की टीम मौके पर पहुँच गई। कठिन परिस्थितियों में गाय का सफल प्रसव कर उसकी जान बचाई।

सूचना मिलते ही विभाग में पूर्व में कार्यरत डॉ. नीता मिश्रा और उपसंचालक कार्यालय की डॉ. ढालेश्वरी ने अपनी दीपावली पूजा बीच में ही छोड़ दी और तत्काल घटनास्थल पर पहुँचीं। परीक्षण में पाया गया कि गाय का गर्भनाल मुड़ गया था और बच्चा तिरछा स्थिति में होने से सामान्य प्रसव संभव नहीं था। स्थिति की गंभीरता देखते हुए उन्होंने विभाग की पूरी टीम को बुलाया। थोड़ी ही देर में डॉ. आरती कृत्रिम गर्भाधान प्रभारी, डॉ. चन्दना मोबाइल यूनिट, वारिश नंद बड़ेकनेरा, कौशिक जैतपुरी, संजय सिंह और नागेश्वर पशु चिकित्सालय मौके पर पहुँचे। सभी के संयुक्त प्रयासों से गर्भनाल को सीधा कर सफल प्रसव कराया गया। कठिन परिस्थितियों में हुए इस ऑपरेशन से गाय और उसका बछड़ा दोनों स्वस्थ हैं।

दिवाली की सबसे बड़ी पूजा मानी गौसेवा को

प्रसव के दौरान श्रीमती शारदा तिवारी, श्रीमती शैल मिश्रा, नृपेंद्र मिश्रा, श्री ठाकुर, श्रीमती सोनी सहित पूरे मोहल्ले ने पशु चिकित्सकों की हर संभव सहायता की। स्थानीय निवासी श्री पाठक और उनके पुत्रें ने भी सहयोग किया। सभी ने कहा यह सेवा ही हमारी असली दिवाली पूजा है, जिसने एक जीव की जान बचाई।

पशु मालिक का नहीं मिला सुराग

– घटना के दौरान पशु मालिक का कोई पता नहीं चल सका। वर्तमान में गाय और उसका बछड़ा मिश्रा परिवार के संरक्षण में स्वस्थ हैं। मोहल्लेवासी बारी–बारी से दोनों की देखभाल कर रहे हैं। टीम ने आमजन से अपील की है कि त्योहारों के दौरान अपने पशुओं को सुरक्षित बाँधकर रखें और गर्भवती पशुओं पर विशेष ध्यान दें। थोड़ी सी लापरवाही उनके जीवन के लिए खतरनाक हो सकती है।

खबर संक्षेप

कम लागत से देसी जुगाड़

भोण्ड। बस्तर ब्लॉक के ग्राम पंचायत मधोता के समरसता भवन में बीआरएलएफ के माध्यम से बस्तर सेवक मंडल द्वारा हाई इक्स्पेक्ट मेगा वाटर सेड परियोजना के तहत पीआरए सहभागिता ग्रामीण मूल्यांकन कार्यक्रम आयोजित की गई थी, जिसमें ग्राम के कार्ययोजना एवं सामाजिक मानचित्र संसाधन मानचित्र, मौसमी मानचित्र बनाया गया। साथ ही किसान पाठशाला का भी आयोजन किया गया गया। कृषि विशेषज्ञ सुनील कुमार ठाकुर ने किसानों को बताया की कम लागत से देसी जुगाड़ जैविक खाद कैसे तैयार किया जाता है, जैविक दवा कैसे तैयार किया जाता है। सरकार द्वारा किसानों को लाभ पहुंचाने योजनाएं चलाई जा रही है, जैसे निजी भूमि में भूमि सुधार, मेड़ बंधान एवं समतलीकरण, कार्य परती या बंजर भूमि को खेती योग्य बनाना डबरी निर्माण, कुआँ निर्माण एवं अन्य जल संचयन संरचनाओं से सिंचाई सुविधाएँ बागवानी, रेशम पालन, पौधा रोपण और कृषि वानिकी के माध्यम से आजीविका में सुधार नाडेप कम्पोस्ट टैंक, वर्मी कम्पोस्ट टैंक व द्रव जैविक खाद-अमृत पानी टंकी के निर्माण के द्वारा जैविक खेती में सहयोग एवं पर्यावरण को फायदा पहुंचाने जैसे बहुत से योजनाओं के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में ग्राम के सरपंच कलावती जयदेव उप सरपंच सुदामा मांझी,सीसीई लोकनाथ सेठिया, सीआरपी प्रेमसागर ठाकुर, जम्मू ठाकुर,ग्राम सभा अध्यक्ष कमला मांझी, ग्राम संगठन धनमती नाग, अम्बिका ठाकुर,कौशल्या ठाकुर, रोजगार सचिव हेमराज मौर्य रमेश मांझी लक्ष्मण मांझी खिलेन्द्र, पारा पंच आदि कर्मयोगी सदस्य ग्राम के जिम्मेदार नागरिक महिला ग्राम संगठन अध्यक्ष सचिव स्व सहायता समूह सदस्य मितानिन आँगन बाड़ी कार्यकर्त्ता आदि सम्मिलित रहे।

गीदम में धूमधाम से हुई मां काली की प्रतिमा की स्थापना

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

गीदम नगर में श्रीश्री श्यामा काली सार्वजनिक उत्सव समिति द्वारा मां काली की प्रतिमा की स्थापना विधिविधान से की गई। इस आयोजन में समिति के अध्यक्ष विधान मंडल, नितेश गाइन, उपाध्यक्ष मनोरम विश्वास व दीपक मंडल, सचिव प्रणय बाला व दयाल विश्वास, सह सचिव प्राण मंडल, बंकीम व दीपक बोस, कोषाध्यक्ष सुजय घोष, अशोक और बंगीय समाज के अन्य सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

■ प्रतिदिन हो रहा भंडारा व प्रसाद का वितरण

गौरतलब है कि गीदम नगर में मां काली की प्रतिमा की स्थापना का यह आयोजन पिछले लगभग 20 वर्षों से बंगीय समाज द्वारा लगातार किया जा रहा है। इस पारंपरिक उत्सव में नगर और आसपास के क्षेत्र के करीब 80-90 परिवार मिलकर अपनी सहभागिता निभाते हैं। मां काली की पूजा-अर्चना के साथ यह पर्व तीन से पांच दिनों तक चलता है, जिसमें नगर के सभी समुदायों के लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। सोमवार की मध्य रात्रि को मां काली की प्रतिमा की स्थापना और पूजा विधिवत संपन्न हुई। मंगलवार को भव्य आरती और प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। बुधवार को खिचड़ी भंडारा और गुरुवार को खीर का भंडारा आयोजित किया जाएगा। इस दौरान प्रतिदिन भंडारे के प्रसाद का वितरण किया जा रहा है। मां काली के दर्शन के लिए नगर और दूरदराज से श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। 24 अक्टूबर, शुक्रवार को मां काली की प्रतिमा का विधिवत विसर्जन किया जाएगा। मां काली की पूजा-अर्चना और भंडारे के आयोजन ने पूरे नगर को भक्ति और उल्लास के माहौल से भर दिया है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दीपों का पर्व दीपावली

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

गीदम नगर और आस-पास के क्षेत्रों में दीपावली का पर्व पूरे हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। पांच दिवसीय इस महापर्व की शुरुआत शनिवार को धनतेरस के दिन हुई, जहां लोगों ने जमकर सोने-चांदी, बर्तन और अन्य शुभ वस्तुओं की खरीदारी की। यह पर्व बुधवार को भाईदूज के साथ समाप्त होगा। दीपावली के मुख्य दिन, कार्तिक अमावस्या की रात को मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना बड़े उत्साह के साथ की गई। गीदम नगर में हर घर, आंगन और मंदिर को दीपों और रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया।

■ पूजा अर्चना के बाद जमाकर हुई आतिशबाजी

अंधेरी रात में दीपों की रोशनी ने जीवन में उजियारे की नई उम्मीद जगाई। मां लक्ष्मी के स्वागत में नगरवासियों ने श्रद्धा और उमंग का प्रदर्शन किया। पूजा-अर्चना के बाद लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा, जिससे नगर का हर कोना उत्सवमय हो गया। छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने इस अवसर का आनंद लिया। अगले दिन गोवर्धन पूजा के अवसर पर गाय और बैल की पूजा की गई। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में यह परंपरा बड़े उत्साह के साथ निभाई गई। इस पूजा के माध्यम से लोगों ने प्रकृति और पशुधन के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। दीपोत्सव के अंतिम दिन भाईदूज का पर्व मनाया जाएगा। इस दिन बहनें भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करेंगी। भाई भी अपनी बहनों को उपहार देकर उनका आशीर्वाद लेंगे। दीपावली का यह महापर्व न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है, बल्कि यह सामाजिक समरसता और भाईचारे का प्रतीक भी है। गीदम में इस पर्व ने हर वर्ग के लोगों के चेहरों पर खुशियां और उम्मीद की रोशनी बिखेरी।

कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष चयन के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक ने ली बैठक

हरिभूमि न्यूज ⏭ गीदम

दंतेवाड़ा जिला कांग्रेस कमिटी के नए जिलाध्यक्ष के चयन के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पूर्व महासचिव, तेलंगाना कांग्रेस अभियान समिति के संयोजक सय्यद अज़मतुल्लाह हुसैनी ने ब्लॉक कांग्रेस कमिटी गीदम और ब्लॉक कांग्रेस कमिटी बारसूर के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

इस दौरान उन्होंने पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं से सुझाव लेकर जिलाध्यक्ष पद के लिए चर्चाएं कीं। बैठक में कांग्रेस के कई प्रमुख नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इनमें मुख्य रूप से पूर्व विधायक देवती महेंद्र कर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी एवं पूर्व जिलाध्यक्ष विमल चंद सुराना, वरिष्ठ कांग्रेसी शकील रिज़वी, जिला पंचायत सदस्य तूलिका कर्मा, महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष आशिफ रजा, जिला पंचायत सदस्य प्रवीण राणा, गीदम ब्लॉक अध्यक्ष अनिल कर्मा, जिला महामंत्री रविश सुराना, जिला सचिव रजत दहिया, जिला महामंत्री कमलोचन सेठिया, और जिला सचिव शेख सिराजुद्दीन उपस्थित रहे। इसके अलावा गीदम ब्लॉक मीडिया प्रभारी ऋषभ सुराना, वरिष्ठ कांग्रेसी लखमू राम, सेक्टर अध्यक्ष नरेंद्र सुराना, कार्यकारिणी सदस्य शैलेन्द्र कोमर्य, मीनाज खान, अनिल सोनी, और बोगा राम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता इस महत्वपूर्ण बैठक का हिस्सा बने। बैठक में नेताओं ने जिलाध्यक्ष के चयन को लेकर अपने-अपने सुझाव और विचार रखे। इस दौरान कांग्रेस पार्टी के संगठन को मज़बूत करने और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन के लिए रणनीतियों पर भी चर्चा हुई।

सय्यद अज़मतुल्लाह हुसैनी ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की बातों को ध्यानपूर्वक सुना। उन्होंने भरोसा दिलाया कि नए जिलाध्यक्ष का चयन सभी की सहमति और सुझावों के आधार पर किया जाएगा।

कुपोषण से प्रभावित बच्चों को दिए पौष्टिक खाद्य सामान

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानपुरी

सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास वंशावली मिशन जिला बस्तर के जिला एवं तहसील प्रतिनिधियों द्वारा नवोदित वंशाचार्य हुजूर उदितमुनि नाम साहब के प्रेरणा, पंथश्री हुजूर प्रकाशमुनी नाम साहब के आशीर्वाद से दीपोत्सव का महापर्व दीपावली के पावन अवसर पर रुप चौदस, छोटी दिवाली के दिन सेवा और मानवता को आधार मानते हुए जीव दया और आतम पूजा को आत्मसात करने का प्रयास करते हुए जिला बस्तर के तहसील भानपुरी में स्थित सिविल अस्पताल के कुपोषित शिशु संरक्षण केंद्र में पहुंचकर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. अफसाना से सम्पर्क कर भर्ती ग्यारह कुपोषित बच्चों को चिकित्सा अधिकारी के सलाह पर बच्चों व माताओं की आहार के लिए मूंगफली, अमूल दूध पाउडर, दलिया आदि पौष्टिक खाद्य सामाग्री परिजनों को सौंपा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र भानपुरी में भर्ती मरीजों को ताजे पके हुए फल वितरण किया और सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास साहब से मरीजों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस अवसर पर केडीव्ही मिशन जिला बस्तर के प्रतिनिधि श्याम दीवान (कबीर पंथी) ने केडीव्ही मिशन के जिला तहसील एवं ग्रामीण स्तरीय प्रतिनिधियों से आग्रह करते हुए अपील किया कि पंथश्री हुजूर प्रकाशमुनी नाम साहब संरक्षण में एवं केडीव्ही मिशन के प्रवर्तक पूज्यनीय नवोदित वंशाचार्य उदित मुनि नाम साहब द्वारा संचालित केडीव्ही मिशन के माध्यम से इस वर्ष की दीपावली को सेवा एवं मानवता का दीप प्रत्येक संतजनों के दिलों में प्रकाशित करने का आत्मीय रुप से एकजुट होकर एक-दूसरे का सहयोग करने स्वैच्छिक तौर पर तन-मन-धन से समर्पित होकर सकारात्मक सोच के साथ दिवाली पर्व को मानवता से प्रेरित होकर जीवों पर दया करने गोवर्धन पूजा एवं भाई दूज के पश्चात दूसरे दिवस सामूहिक रूप से मवेशियों को खिचड़ी पकवान बनाकर खिलाने के लिए तैयारी करने कहा गया। केडीव्ही मिशन जिला बस्तर के परोपकारी प्रतिनिधि पवनदास ने भी उपस्थित प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि सभी प्रतिनिधियों को जीवों पर मानवीय व्यवहार सद्भावना पूर्वक दया करने के लिए समय विशेष की महत्व को रेखांकित करते हुए प्रत्येक कार्य को निर्धारित समय पर गंभीरता से एवं स्वैच्छिक रुप से स्वप्रेरित होकर निःस्वार्थ भावना से करने पर मानवीय जीवन मूल्यों की लक्ष्य को हासिल करने से भावी पीढ़ी के लिए परोपकारी बनने प्रेरणा के स्त्रोत हो सकते हैं।

इस अवसर पर सद्गुरु कबीर धनिधर्मदास वंशावली मिशन जिला बस्तर के जिला प्रतिनिधि श्याम दीवान, जिला परोपकारी प्रतिनिधि पवनदास, महिला प्रतिनिधि शहीरामनी, सलाहकार महंत लक्ष्मीकांत, महंत बुधरुदास, महंत गिरधरदास, तहसील प्रतिनिधि बिधियादास,सह प्रतिनिधि मदनदास, युवा प्रतिनिधि पूनमदास, अनिलदास, हेमलाल, बैधनाथ, नत्थूदास,शालूदास, समाजसेवी अचल बाजपेई सहित कबीर पंथ अनुयायी (संतजन) शामिल रहे।

ठेकेदारों ने छोड़ा अधूरा काम, विभाग बना मूकदर्शक ग्रामीणों ने दी आंदोलन की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ घाटलोहंगा

जल जीवन मिशन टाकरागुड़ा में फेल, टंकी बनी सफेद हाथी

ग्रामीण बोले विकास के वादों में हमारा पानी कहां गया

बस्तर जिले के जनपद पंचायत बस्तर अंतर्गत ग्राम पंचायत भाटपाल के आश्रित ग्राम टाकरागुड़ा में करोड़ों रुपये की लागत से बनाई गई जल जीवन मिशन की योजना आज भ्रष्टाचार और प्रशासनिक लापरवाही की एक जीती-जागती मिसाल बन गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी योजना हर घर नल से जल का सपना यहां के ग्रामीणों के लिए तीन साल बाद भी एक अधूरा सपना ही बना हुआ है। जिन नलों से लोगों को स्वच्छ जल मिलने की उम्मीद थी, वहां आज तक एक बूंद पानी नहीं टपका। तीन साल पहले जल जीवन मिशन के तहत गांव में बड़ी-बड़ी मशीनें लाई गईं, टंकी का निर्माण हुआ, पाइप बिछाने का वादा किया गया और गांव के हर घर में पानी पहुंचाने का भरोसा दिया गया। लेकिन आज वह टंकी बिना पानी के खड़ी एक सफेद हाथी बन चुकी है। निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद जल आपूर्ति की कोई व्यवस्था नहीं की गई। न तो बोरवेल खोदा गया, न पाइपलाइन जोड़ी गई और न मोटर पंप लगाया गया।

■ हर घर जल नहीं, हर घर छल, अधूरी योजना ने उजागर की सरकारी नाकामी

गांव के निवासी महेश कश्यप कहते हैं, टंकी तो आधा बना दी, लेकिन पानी नहीं है। अधिकारी आते हैं, फोटो खिंचवाते हैं और चले जाते हैं। वहीं नंद राम ठाकुर बताते हैं, हम आज भी आधा किलोमीटर दूर तालाब से गंदा पानी ढोते हैं। बरसात के मौसम में वही पानी पीने से बच्चे और बुजुर्ग बीमार पड़ जाते हैं। महिलाएं सुबह से शाम तक सिर पर घड़े रखकर लंबी दूरी तय करती हैं। बच्चों की पढ़ाई और बुजुर्गों की सेहत दोनों प्रभावित हो रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि टंकी निर्माण के समय अधिकारियों ने कहा था कि जल्द पानी सप्लाई शुरू हो जाएगी, पर तीन साल गुजर जाने के बाद भी नलों में पानी नहीं आया। गांव के कई हिस्सों में पाइपलाइन अधूरी पड़ी है और कई जगह पाइप जंग लगकर बेकार हो चुके हैं। जनपद सदस्य हेमराज बघेल ने कहा जब केंद्र और राज्य दोनों जगह भाजपा की सरकार है, तब इस तरह की लापरवाही अस्वीकार्य है। ठेकेदारों ने अधूरा काम छोड़ दिया और विभाग ने कभी जांच करने की ज़हमत तक नहीं उठाई। उन्होंने आरोप लगाया कि जल जीवन मिशन के नाम पर केवल कागजी काम हुआ है, जमीनी स्तर पर कुछ नहीं। जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर ग्रामीण घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना था, ताकि महिलाएं और बच्चे पानी के लिए भटकने से बचें। लेकिन टाकरागुड़ा की अधूरी टंकी इस मिशन की असफलता को उजागर कर रही है। कोटि-कोटि रुपये खर्च होने के बाद भी ग्रामीणों को नल से नहीं, बल्कि तालाब से ही पानी ढोना पड़ रहा है। अधिकारी कागजों में योजना पूरी दिखाकर अपनी जिम्मेदारी से बचते रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि योजना शुरू होने के बाद गांव में कुछ दिनों तक काम हुआ। अब टंकी के आसपास झाड़ियां उग आई हैं और लोहे के ढांचे पर जंग लग चुका है। गांव के लोगों ने कई बार जनपद और जिला अधिकारियों से पानी की आपूर्ति बहाल करने की मांग की, पर हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला। नतीजा यह है कि गर्मी के दिनों में गांव में पानी का संकट और भी गहरा हो जाता है। महिलाएं सुबह चार बजे उठकर तालाब या नालों से पानी लाती हैं। यह न सिर्फ उनके स्वास्थ्य पर असर डालता है, बल्कि बच्चों की शिक्षा और परिवार के अन्य कार्यों को भी बाधित करता है।

टाकरागुड़ा की सूखी टंकी आज एक गांव की त्रासदी नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की विफलता का प्रतीक बन चुकी है। जिस योजना को लेकर सरकार ने गांव-गांव तक जल पहुंचाने का दावा किया था, वह योजना यहां के लोगों के लिए हर घर जल नहीं, बल्कि हर घर छल साबित हो रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द जल आपूर्ति शुरू नहीं की गई, तो वे सामूहिक रूप से आंदोलन करेंगे। वे कहते हैं, हमें भाषण और फोटो नहीं, अपने घर में पानी चाहिए।

ज्ञान के मंदिरों में दीप प्रज्ज्वलित

जगदलपुर। इस वर्ष की दीपावली में शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने ज्ञान के मंदिर स्कूलों में भी दीये जलाने की अपील की थी। इस अपील पर अमल करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी बीआर बघेल ने स्कूलों में दीये जलाकर ज्ञान की देवी सरस्वती के दरबार को रौशन करने की परंपरा शुरू की। बघेल ने संकुल केंद्र गढ़िया के प्राथमिक विद्यालय नेगीरास में एक दिया स्कूल के नाम अर्पित किया। ब्लॉक समन्वयक पीआर सिन्हा,करकपाल के स्कूल समन्वयक और गढ़िया सीएसी और बच्चों के साथ इस देवालय में लक्ष्मी पूजा के दिन रात्रि प्रहर दीपोत्सव मनाया गया।

विद्यालय में करियर गाइडेंस कार्यक्रम

गीदम। स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गीदम में विद्यार्थियों के भविष्य मार्गदर्शन हेतु कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गीदम के व्यापारी रोहित जैन तथा चार्टर्ड अकाउंटेंट आकांक्षा जैन विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कक्षा 11वीं एवं 12वीं कॉमर्स संकाय की छात्राओं को कॉमर्स विषय चुनने के पश्चात उपलब्ध विभिन्न कैरियर संभावनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। अतिथियों ने विद्यार्थियों को बताया कि कॉमर्स विषय के माध्यम से वे चार्टर्ड अकाउंटेंसी , कंपनी सेक्रेटरी , कॉस्ट अकाउंटेंसी , बैंकिंग, बीमा, वित्तीय परामर्श, प्रबंधन , उद्यमिता आदि क्षेत्रों में अपना उज्ज्वल भविष्य बना सकती हैं। उन्होंने यह भी समझाया कि इस संकाय में गणित, लेखा, व्यापार अध्ययन, और अर्थशास्त्र जैसे विषयों का ज्ञान भविष्य की सफलता की नींव होता है। कार्यक्रम में विद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता नोखेलाल निषाद, ममता तिवारी, सुश्री माधवी साहू, प्राचार्य अवधेश अवस्थी तथा कैलाश नीलम उपस्थित रहे।

इस कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक एवं राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित व्याख्याता राकेश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में किया गया। अपने उद्बोधन में श्री मिश्रा ने विद्यार्थियों को अध्ययन के प्रति गंभीरता बरतने, समय प्रबंधन सीखने तथा निरंतर अभ्यास के माध्यम से कक्षा 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर "उजर —100 प्रतिशत योजना" जिला प्रशासन की योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया।

उपभोक्ता घर बैठे ही ई-जागृति पोर्टल से करें शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

राज्य उपभोक्ता आयोग रायपुर के निर्देशानुसार शुक्रवार को शहर के जिला उपभोक्ता आयोग की अध्यक्ष सुजाता जसवाल के मार्गदर्शन में ग्राम कुम्हरावंड में उपभोक्ता जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के आरंभ में

■ कुम्हरावंड में हुआ उपभोक्ता जागरुकता शिविर

जिला उपभोक्ता आयोग के नाजिर अनंत वैद्य ने उपभोक्ता जागरूकता शिविर आयोजित करने के उद्देश्य की संपूर्ण जानकारी ग्रामीणों को प्रदान की। इस अवसर पर जिला उपभोक्ता आयोग के सदस्य आलोक कुमार दुबे ने ई- हियरिंग के संबंध में छत्तीसगढ़ प्रदेश को देश का पहला राज्य बनने पर राज्य उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष जस्टिस गौतम चौरड़िया के प्रति आभार ज्ञापित किया। साथ उपभोक्ता कानून की जानकारी उपस्थित लोगों को प्रदान कर ई हियरिंग एवं ई-फाइलिंग के संबंध में विस्तार से बताते हुए कहा कि अब आमजन को उपभोक्ता कानून का लाभ प्राप्त करने के लिए जिला आयोग की दूरी तय नहीं करना पड़ेगी और घर बैठे ही ई-जागृति पोर्टल द्वारा अपने मोबाइल के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने कहा कि उत्पाद और सेवाओं से जुड़ा प्रत्येक मुद्दा जिसमें उपभोक्ता को किसी परेशानी का सामना करना पड़ता है वह उपभोक्ता कानून के अंतर्गत आता है। ऐसी स्थिति में आम उपभोक्ता बीमा, फसल बीमा, बैंकिंग सुविधा, कोचिंग संस्थान एवं निर्माण कार्य एजेंसियों के विरुद्ध आयोग के समक्ष अपनी शिकायत दर्ज करवा सकते हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित जिला उपभोक्ता आयोग के पूर्व सदस्य छबिलेश्वर जोशी ने उपभोक्ता कानून पर प्रकाश डालते हुए आवश्यक शुल्क एवं समय सीमा की विस्तृत जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर सदस्य सीमा गोलछा ने भी उपभोक्ता कानून और ई-फायलिंग के संबंध में उपस्थित ग्रामीणों को बताया। संपन्न कार्यक्रम में उप निरीक्षक प्रेम पाणिग्राही, ग्राम सरपंच दशमी बेलसरिया सचिव ललित पांडे, टिकेश्वरी जोशी, बिन्देश्वर जोशी, अमरेश्वर पांडे, नरसिंह, सुनील तिवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन तथा जिला उपभोक्ता आयोग के कर्मचारी भारत भूषण टंडन, अभिषेक तिवारी, सुधीर गुप्ता, संतोष देवांगन सहित मीडिया प्रतिनिधि शामिल रहे।

खबर संक्षेप

पालक एवं शिक्षक बैठक में तय हुई रणनीति

दुर्गूकोंदल। शासकीय उमावि कोंडे में पालक एवं शिक्षक बैठक सरपंच प्रेम पुड़ो, जनपद सदस्य धनसाय हुर्रा, उप सरपंच गेंदलाल साहू, ग्राम प्रमुख एवं एसएमसी अध्यक्ष धर्म सिंह यादव, गायता पटेल गांडोराम पुड़ो, पूर्व जनपद सदस्य महेश्वरी पुड़ो, बीआरसी लतीफ सोम, वार्ड पंच श्याम लाल धुर्वा, सोनाय पुड़ो, दयाबती, हिरो बाई जुर्री, सचिव सत्यवती,पंच प्रभुराम गोटा तथा पंच सविता कुंजाम की उपस्थिति में हुई। सरपंच प्रेम पुड़ो ने कहा कि हमारा विद्यालय ही हमारे गाँव की पहचान है। यहाँ से निकलने वाले विद्यार्थी भविष्य में हमारे समाज का नाम रोशन करेंगे। पालक बच्चों की शिक्षा में सक्रिय भूमिका निभाएं। जनपद सदस्य धनसाय हुर्रा ने शिक्षा, खेलकूद एवं अन्य गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला और विद्यालय को वाटर कूलर प्रदान किया, जिसका उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान किया गया। विद्यालय परिवार ने इस सकारात्मक पहल के लिए उनका आभार व्यक्त किया। प्रधानाचार्य बाबूलाल कोमरे ने विद्यार्थियों की पढ़ाई, खेलकूद, प्रमाणपत्रों, बस्तर ओलंपिक, नवोदय परीक्षा, प्रयास परीक्षा, नीट, जेईई तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित विषयों पर विस्तृत चर्चा हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और आत्मविकास के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर त्रैमासिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को पेन एवं कॉपी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन लेखराम टांडिया ने किया।

वैभव दास बने एबीवीपी के नगर मंत्री

जगदलपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई नवीन नगर कार्यकारणी का घोषणा किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मध्य बस्तर विभाग के विभाग प्रचारक यज्ञ सिंह थे। विभाग संयोजक शैलेष ध्रुव ने बताया कि एबीवीपी अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद एक राष्ट्रवादी छात्र संगठन है जो छात्रहित और राष्ट्रहित के लिए कार्य करता है, जिसका मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय पुनर्निर्माण है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व कार्यकर्ता अर्पित मिश्रा द्वारा सत्र 2025–26 के लिए जगदलपुर इकाई का नगर कार्यकारणी के लिए वैभव दास को नगर मंत्री, ऋतिक जोगी, अजेंद्र ठाकुर, प्रशांत लाठिया एवं दिशा पाढ़ी नगर सहमंत्री, मीडिया संयोजक अश्विन पिल्ले राष्ट्रीय कला मंच प्रमुख राजकमल,सह प्रमुख खीरबती, शैलेश गादे, खेलो भारत प्रमुख समीर, सह प्रमुख खुशी यादव,सेवार्थ विद्यार्थी एसएफएस प्रमुख सिया, सह प्रमुख लक्ष्य दहिया,एसएफडी प्रमुख अजय अर्की, सह प्रमुख रोहित सोढ़ी, यशोदा, सोशल मीडिया प्रमुख टेमन मंडल, एग्रीविजिन प्रमुख अक्षय दीवान, सह प्रमुख दीपक गुहा, अभिषेक कोसरे, तकनीकी प्रमुख कनिष्क टंडन, सह प्रमुख ओम लहरे, महाविद्यालय प्रमुख शेखर ध्रुव, सह प्रमुख करण शर्मा,कार्यालय मंत्री रघुनाथ नाग, विद्यालय प्रमुख निखिल नायर, स्टूडो मैट्रिक्स प्रमुख माही राव, गजेंद्र सोनी, गोविंद, प्रशांत ठाकुर,जय पाण्डेय, प्रिंस,जयमन मौर्य, मनीराम, सुखनाथ,सुमन सहित अन्य कार्यकर्ताओं का घोषणा किया गया।

बासनवाही में भव्य रूप से मनाया गया गौरा-गौरी जागर महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ बासनवाही

दिवाली पर उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का जीवंत उदाहरण बना आयोजन

दिवाली के पावन अवसर पर बासनवाही ग्राम में परंपरागत उत्सव गौरा-गौरी जागर महोत्सव का आयोजन भव्यता एवं श्रद्धा के साथ किया गया। यह आयोजन धार्मिक आस्था, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण का जीवंत उदाहरण बना। ग्रामवासियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार गौरा-गौरी की पूजा-अर्चना की। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सजकर बांस के टोकनों में मिट्टी से निर्मित गौरा-गौरी की प्रतिमाएं लेकर पूजा स्थल पहुंचीं। विधिवत पूजा के पश्चात जागर गीतों की प्रस्तुति हुई, जिसने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। रात्रि में मांदर, ढोल और मंजीरे की गूंज के बीच जागर गीतों का आयोजन किया गया, जिसमें ग्राम के सभी वर्गों महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने सहभागिता कर इस उत्सव को सांस्कृतिक महोत्सव का रूप दे दिया। विशेष आकर्षण के रूप में गौरा-गौरी विवाह का मंचन, झांकी प्रदर्शन और लोकनृत्य प्रस्तुत किए गए। बच्चों और युवाओं की सक्रिय भागीदारी इस आयोजन को विशेष बना गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, माताएं और युवा पुरुष उपस्थित रहे। सभी ने इस परंपरा को जीवंत बनाए रखने हेतु आयोजन समिति की सराहना किया और कहा कि ऐसे पर्व हमारी संस्कृति की जड़ों को मजबूत करते हैं तथा नई पीढ़ी को अपनी परंपराओं से जोड़ने का कार्य करते हैं। दीपावली के शुभ दिन ग्रामवासियों ने घर-घर दीप प्रज्वलित कर सुख-समृद्धि की कामना की और एक-दूसरे को मिठाइयां खिलाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं।

परंपरा को दिया गया भव्य रुप

गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ अंचल में गौरा-गौरी महोत्सव का विशेष महत्व है, जो लोक संस्कृति, आस्था और सामाजिक मेलजोल का प्रतीक है। इस वर्ष बासनवाही ग्राम ने इस परंपरा को और भी भव्य रूप प्रदान कर क्षेत्र में एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस महोत्सव में साज-सज्जा एवं सांस्कृतिक मंचन को आकर्षक रूप देने में स्थानीय युवा राजकिशोर नाग का विशेष योगदान रहा, जिसे ग्रामवासियों द्वारा सराहा गया।

डीआईजी ने शहीद पुलिस अधिकारियों के नामों का किया वाचन

पुलिस स्मृति परेड दिवस पर शहीदों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि, किया नमन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

पुलिस अधीक्षक कार्यालय के परिसर 21 अक्टूबर की सुबह से ही एक विशेष भावनात्मक माहौल में डूबा हुआ था। पुलिस बैंड की गंभीर धुनें सब कुछ एक ही भावना में रचा-बसा था। देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर पुलिस जवानों की याद में नमन का। 21 अक्टूबर का यह दिन पूरे देश में पुलिस स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाता है। कांकेर जिला पुलिस ने भी इस दिन को पूरी गरिमा और श्रद्धा के साथ मनाया गया।

- शहीदों को साहस व निष्ठा आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा

कार्यक्रम पुलिस उप महानिरीक्षक अमित तुकाराम कांबले ने पूरे औपचारिकता और श्रद्धा के साथ एक साल में शहीद हुए पुलिस अधिकारियों और जवानों के नामों का वाचन किया, जिन्होंने ड्यूटी के दौरान देश और समाज की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर कर दिए। जैसे ही प्रत्येक शहीद का नाम उच्चारित हुआ, पूरे मैदान में मौन छा गया। उपस्थित पुलिसकर्मी अमर रहें के स्वर में एक साथ गूंज उठे। यह क्षण अत्यंत भावनात्मक और प्रेरणादायक था। डीआईजी ने कहा इन शहीदों के बलिदान को हम कभी भुला नहीं सकते। उन्होंने अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए जिस साहस और निष्ठा का परिचय दिया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा है। उनके शब्दों में गहराई थी, और उनकी आवाज में वह भावनात्मक कंपन जो हर उस अधिकारी के मन में था, जिसने किसी साथी को कर्तव्य के पथ पर खोया है। डीआईजी ने कहा पुलिस बल केवल वर्दीधारी कर्मियों का समूह नहीं है, यह एक परिवार है। जब कोई जवान शहीद होता है, तो हम सभी उसकी कमी महसूस करते हैं। आज का दिन केवल शोक का नहीं, बल्कि गर्व का भी दिन है। हमारे शहीदों ने जो आदर्श स्थापित किए हैं, वे हमारे लिए मार्गदर्शक रहेंगे। मौन श्रद्धांजलि के दौरान वातावरण में एक अद्भुत शांति थी, न कोई शब्द, न कोई आवाज थी। पुलिसकर्मियों की आंखों में झलक रही थी अपार श्रद्धा। कई जवान अपने साथियों की याद में भावुक हो उठे। कुछ शहीदों के परिवारजन, जो इस अवसर पर आमंत्रित किए गए थे, की आंखों में गर्व और पीड़ा दोनों का मिश्रण साफ झलक रहा था। जनप्रतिनिधियों एंव अधिकारियों ने शहीद परिवारों से संवाद किया।

शहीदों को दी गई पुष्पांजलि

नाम वाचन के उपरांत शहीद स्मारक पर पुलिस अधिकारियों द्वारा पुष्प अर्पित करने का क्रम शुरू हुआ। सबसे पहले विधायक आशाराम नेताम, मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष भरत मटियारा, पूर्व विधायक शिशुपाल शोरी, नगर पालिका अध्यक्ष अरूण कौशिक, डीआईजी अमित तुकाराम कांबले, कलेक्टर नीलेश महादेव क्षीरसागर, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आई. कल्याण ऐलीसेला, एएसपी आईपीएस आकाश श्रीश्रीमाल, एएसपी कांकेर दिनेश सिन्हा के अलावा अन्य अधिकारी एवं शहीद परिवार ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए।

आमापारा सिवनी में पारंपरिक हुलकी नृत्य से गूंजा गांव का घर-आंगन

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल

विकासखंड दुर्गूकोंदल अंतर्गत ग्राम पंचायत सिवनी के आश्रित ग्राम आमापारा सिवनी में दीपावली पर्व के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा के पश्चात पारंपरिक हुलकी नृत्य का आयोजन बड़े उत्साह और सांस्कृतिक उल्लास के साथ किया गया। यह नृत्य स्थानीय आदिवासी संस्कृति और परंपरा का अभिन्न अंग है, जो पीढ़ियों से चली आ रही है। दीपावली पर्व के अगले दिन जब पूरे क्षेत्र में अन्नकूट और गौवर्धन पूजा के कार्यक्रम सम्पन्न हुए, तब आमापारा सिवनी के ग्रामीणों ने अपने पारंपरिक परिधान धारण कर एक साथ एकत्र होकर हुलकी नृत्य का आयोजन किया। ढोल, मांदर और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की थाप पर युवाओं और महिलाओं ने मिलकर सांस्कृतिक एकता और उत्सव की भावना को साकार किया। हुलकी नृत्य में प्रमुख रूप से रविंद्र मंडावी, परदेशी मंडावी, जयराम मतलामी, सनकेर मतलामी, विजय मतलामी, अक्षय उयका, अरविंद, दिनदयाल, परशुराम, दिनेश मंडावी, संजय, संदीप राम उयका, अनिल, दयाराम, यशवंत, मनीष, अमरीका, कामनी, आरती, प्रियंका, उमाभारती, भूमिका, जयबत्ती सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी महिला-पुरुष सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के दौरान नर्तक-नर्तकियों ने अपने पारंपरिक गीतों और नृत्य मुद्राओं से वातावरण को खुशियों और उमंग से भर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि यह नृत्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि एकता, सहयोग और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। इस अवसर पर उपस्थित बुजुर्गों ने युवाओं को अपनी परंपराओं को जीवित रखने और आने वाली पीढ़ियों को हस्तांतरित करने की प्रेरणा दी।

गांव की सांस्कृतिक धरोहर बना

गांव के वरिष्ठ नागरिकों ने बताया कि यह हुलकी नृत्य पीढ़ियों से ग्राम में दीपावली के दूसरे दिन आयोजित होता आ रहा है। गांव की सांस्कृतिक धरोहर बन चुका है। कार्यक्रम का समापन सामूहिक नृत्य और गीतों के साथ हुआ, जहाँ ग्रामीणों ने एक-दूसरे को दीपावली एवं गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएँ दीं।

रिसेवाड़ा में परंपरा और आस्था का अनोखा संगम, हर्षोल्लास के साथ गौरी- गोवर्धन पूजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बनसागर

विकासखंड नरहरपुर अंतर्गत ग्राम रिसेवाड़ा में बुधवार को गोवर्धन पूजा एवं गौरी-गोवर्धन उत्सव बड़े उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। ग्रामवासियों ने इस पर्व को एकता, आस्था और सांस्कृतिक परंपरा के प्रतीक के रूप में मनाया।

गोर्वधन पूजा के एक दिन पूर्व मंगलवार को पूरे ग्राम में मां लक्ष्मी पूजन और गौरी-गोरा स्थापना की गई। सभी ग्रामीणों ने एकजुट होकर शांतिपूर्ण वातावरण में यह आयोजन किया। रात्रि में ग्राम पुजारी किशोर मांडवी के नेतृत्व में मुख्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें गांव की प्रत्येक महिला और परिवार ने अपने घर से कलश लेकर गौराचौक मांझाखोर में एक साथ स्थापना की। छोटे-छोटे बच्चों ने गौरी-गोरा और देवता का रूप धारण कर आकर्षक झांकी प्रस्तुत की, जिसने सभी का मन मोह लिया। इस वर्ष का आयोजन विशेष रूप से भव्य और मनमोहक रहा। इस अवसर पर कोटवार बाला दास मानिकपुरी, बृजलाल जैन, राजेंद्र मांडवी, जयराम मरकाम, रामलाल मांडवी, जोहर पटेल, दुर्जन पटेल, सोहन पटेल, थानूराम पटेल, रामेश्वर यादव, रेखुराम पटेल, रिकेश्वर कोडोपी, खमन मांडवी, वर्तमान उप सरपंच ईश्वर दुग्गा, हेमलाल सिंह, भूपेश यादव, छबिलाल पटेल और पूर्व उप सरपंच सुरेश पटेल उपस्थित रहे।

विसर्जन और सामूहिक पूजा में उमड़ा गांव

अगले दिन सुबह समस्त ग्रामवासी गौरी-गोरा के विसर्जन के लिए एकत्र हुए। सभी ने एक साथ पुराना तालाब पहुँचकर पूजा-अर्चना के बाद विधि-विधान से विसर्जन किया।

बच्चों ने देवता झुकता गौरी गोरा का पारंपरिक नारा लगाकर इस उत्सव को और भी जीवंत बना दिया। इसके उपरांत ग्राम के भुकुर देव स्थान में पुजारी किशोर मांडवी द्वारा पूजा-अर्चना की गई, वहां खिचड़ी चढ़ाई गई और उसे प्रसाद स्वरूप सभी ग्रामवासियों में वितरित किया गया।

गौर-गौरी पूजा व विसर्जन विधि-विधान से सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्गूकोंदल

विकासखंड दुर्गुकोंदल अंतर्गत ग्राम कर्रामाड़ में दीपावली का पावन पर्व हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी धार्मिक आस्था, परंपरा और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सुरोती लक्ष्मी पूजा के दिन गांव में गौर-गौरी की पूजा विधि-विधान से सम्पन्न हुई, जिसमें देवी-देवताओं की आराधना और पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया गया।

ग्राम के गायता चम्मूलाल पोया एवं ग्राम पटेल मंशाराम मरकाम के नेतृत्व में पूजा-अर्चना हुई। इस अवसर पर ग्राम के श्रद्धालु नागरिकों शिवलाल सलाम, बनियाराम मरकाम, राजू देहारी, राजू सलाम, बैजनाथ सलाम, हरेश रावटे, सुभाष सोम, योगेश चिराम, टिकेश्वर रावटे, नागेंद्र सोम, कैलाश ठाकुर, गोकुल रावटे, जगत देहारी, कनक सोम, जेठू सोम, सेवालाल चिराम, हरिश्चंद्र धनेलिया केशो पिददा सहित समस्त ग्रामवासी कर्रामाड़ बड़ी संख्या में शामिल हुए। महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में गौर-गौरी की पूजा की और मंगल गीत गाते हुए गांव के वातावरण को भक्तिमय बना दिया। घर-आंगन दीपों की पंक्तियों से सजे हुए थे, जिससे पूरा कर्रामाड़ दीपमय हो उठा।

विधि-विधान से हुआ गौर-गौरी विसर्जन : पूजा के उपरांत आज गौर-गौरी का विधि-विधान के साथ विसर्जन किया गया। विसर्जन यात्रा के दौरान गांव में ढोल-नगाड़ों की थाप पर महिलाएं और युवक-युवतियां झूमते हुए गौर-गौरी को विदाई देने निकले। पारंपरिक नृत्य, गीत और ढोल की थाप पर पूरा गांव उत्साह से सराबोर हो गया।

सद्भाव और परंपरा का प्रतीक बना उत्सव : ग्राम कर्रामाड़ में दीपावली पर्व सिर्फ एक त्योहार नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक बन चुका है। ग्रामीणों ने दीपावली के अवसर पर एक-दूसरे को शुभकामनाएं दीं और मिठाइयों का वितरण कर आपसी भाईचारे का परिचय दिया। गांव के बुजुर्गों ने बताया कि कर्रामाड़ में गौर-गौरी पूजा की परंपरा वर्षों से चली आ रही है, जो सौहार्द, समृद्धि और पारिवारिक सुख-शांति का प्रतीक मानी जाती है।

हर्ष और उल्लास का माहौल : गांव के हर घर में दीप प्रज्वलित किए गए। बच्चे पटाखे छोड़ते नजर आए, तो महिलाएं पारंपरिक गीतों में रम गईं। गौर-गौरी विसर्जन के साथ दीपावली पर्व का समापन शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना के साथ हुआ। पूरे गांव में उत्साह, उमंग और उल्लास का माहौल बना रहा।

ग्रामीण अंचल में गोवर्धन तिहार की रही धूम

दुर्गूकोंदल। ग्रामीण अंचल में बुधवार को गोवर्धन तिहार बड़े उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। सुबह से ही गांवों में उल्लास का माहौल रहा। ग्रामीणों ने अपने गाय, बैल और बकरियों को स्नान कराकर, सींगों पर रंग-रोगन और सोहाई गहने से सजाया। इसके बाद विशेष पूजा-अर्चना कर खेती-किसानी में सहायक इन पशुओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया। परंपरा अनुसार मिट्टी के हांडी में चावल, कद्दू, कोचई कंद, अरहर और उड़द दाल से बनी खिचड़ी तैयार की गई, जिसे बांस के सुपा में रखकर पशुओं को खिलाया गया। यह परंपरा पशु और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और सम्मान का प्रतीक है। गोवर्धन तिहार को ग्रामीण जीवन और कृषि संस्कृति का अभिन्न हिस्सा माना जाता है। किसानों ने पशुधन को परिवार का सदस्य मानते हुए पूजा की। पूजा उपरांत गांवों में सामूहिक भोज और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। महिलाओं ने पारंपरिक सुआ गीत गाए, पुरुषों ने पंथी नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि बच्चों और बुजुर्गों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेकर पर्व को यादगार बना दिया। ग्रामीण क्षेत्र में मनाया गया यह पर्व आस्था, परंपरा और प्रकृति प्रेम का सुंदर संगम साबित हुआ।

गौवंशों को खिचड़ी प्रसाद एवं गुड़ खिलाया

जगदलपुर। हैप्पी कामधेनु गौशाला कुंरदी में गोवर्धन पूजा पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव सम्मलित होकर सभी गौवंशो को खिचड़ी प्रसाद एवं गुड़ खिलायाकर आश्रीवाद लिया। देव ने कहा कि हैप्पी कामधेनु गौशाला कुंरदी में गौमाता की सेवा कार्य लगातार कई वर्षों से कर रही है बहुत ही सेवा व पुनीत कार्य है उन्होंने सेवा कार्य मे लगे समस्त गौसेवको को साधुवाद देते प्रदेश व बस्तरवासियों को गोवर्धन पूजा की शुभकामनाएं दी। वहीं शहर के प्रवीर वार्ड पनारापारा स्थित लक्ष्मी नारायण मंदिर में विधायक सपरिवार गोवर्धन पूजा व अन्नकूट महोत्सव में शामिल हुए। गौवंशों को अपने हाथों से खि च ड़ी प्र सा द खि ला या । सा थ आमजनों के साथ अन्न भोग प्रसाद ग्रहण किया।